उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक – काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष - 1 ला अंक - १४९ वा रविवार २९ दिसंबर २०२४ RNI TITLE CODE : MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत २ रुपये पन्ने - ४

क्या आपको सत्ता हमारी लाशें गिराने के लिए चाहिए?

बीड में सर्वदलीय मूक मोर्चे में नेताओं का आक्रोश, धनंजय मुंडे को हटाने और वाल्मिक कराड की गिरफ्तारी की मांग

बीड : बीड में (28 दिसंबर) मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मामले में न्याय की मांग को लेकर एक विशाल सर्वदलीय मूक मोर्चा निकाला गया। नेताओं ने मंत्री धनंजय मुंडे को तत्काल कैबिनेट से हटाने और उन्हें बीड के पालकमंत्री पद से भी हटाने की एकजुट मांग की। कई नेताओं ने मुंडे पर बीड में आतंक का माहौल बनाने का आरोप लगाया।भाजपा विधायक सुरेश धस ने मुंडे भाई-बहनों पर तीखा हमला किया। इस मूक मोर्चे को मराठा नेता मनोज जरांगे पाटिल, संभाजीराजे छत्रपति, जितेंद्र आव्हाड, सांसद बजरंग सोनवणे, विधायक सुरेश धस, संदीप क्षीरसागर, प्रकाश सोळंके, अभिमन्यु पवार, नरेंद्र पाटिल, ज्योति मेटकर और दीपक केदार जैसे प्रमुख नेताओं ने संबोधित किया। संतोष देशमुख की बेटी वैभवी ने भी मोर्चे को संबोधित करते हुए कहा, "कल सूरज बादलों के पीछे छिपा हुआ था, लेकिन आज वह दिख रहा है। लेकिन मेरे पिता अब कभी नहीं दिखेंगे।" उनकी भावनात्मक बातों ने जनता को भावुक कर दिया।

इस मोर्चे में आम नागरिकों ने भी नेताओं के साथ भाग लिया और न्याय की एकजुट मांग की। बीड की जनता की इस विराट भागीदारी को सरकार पर वाल्मिक कराड के खिलाफ कार्रवाई का दबाव बढ़ाने के रूप में देखा जा रहा है। हत्या के 19 दिन बाद भी मुख्य आरोपी के फरार होने से पुलिस की कार्यक्षमता पर सवाल उठने लगे हैं।

क्या हमें खुद कार्रवाई करनी पड़ेगी? - मनोज जरांगे का कड़ा प्रहार

मनोज जरांगे पाटिल ने चेतावनी दी कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो जनता को खुद कदम उठाने पड़ सकते हैं। उन्होंने सरकार और विपक्ष दोनों से मुख्यमंत्री से मिलकर कार्रवाई की मांग करने को कहा। उन्होंने कहा, "हमारे युवाओं की मामूली टिप्पणियों पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता है, लेकिन संतोष भैया के हत्यारे आज भी खुलेआम घूम रहे हैं।"

उन्होंने राज्य के अन्य हिस्सों, जैसे उस्मानाबाद और अंबड में हुई इसी तरह की घटनाओं की आलोचना की और सरकार से तुरंत कार्रवाई की मांग की।

धनंजय मुंडे को कैबिनेट से हटाया जाए - संभाजीराजे छत्रपती

संभाजीराजे छत्रपति ने मंत्री धनंजय मुंडे को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की। उन्होंने उपमुख्यमंत्री अजित पवार को संबोधित करते हुए कहा, "अगर आपमें हिम्मत है, तो धनंजय मुंडे को कैबिनेट से हटाएं। अगर सरकार ऐसा नहीं करती, तो छत्रपति परिवार बीड की जिम्मेदारी संभालेगा।" संभाजीराजे ने यह भी पूछा कि क्या राज्य सरकार बीड को बिहार बनाना चाहती है।

आपको सत्ता हमारी लाशें गिराने के लिए चाहिए? - बजरंग सोनवणे का हमला

सांसद बजरंग सोनवणे ने मंत्री धनंजय मुंडे पर तीखा हमला करते हुए कहा, "अगर आप सच में संतोष देशमुख के परिवार को न्याय दिलाना चाहते हैं और बीड की मिट्टी में आपका जन्म हुआ है, तो इस्तीफा दें और जांच का सामना करें।" उन्होंने मुंडे पर गुंडों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा कि अब उन्हें कैबिनेट में बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं है।

अगर कार्रवाई नहीं हुई, तो महाराष्ट्र जल उठेगा - जितेंद्र आव्हाड की चेतावनी

जितेंद्र आव्हाड ने सरकार को चेतावनी दी कि अगर कार्रवाई नहीं हुई, तो महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर अशांति होगी। उन्होंने कहा, "बीड में वंजारी समाज के कई लोगों की हत्या हुई है। मेरी बहन का सुहाग उजड़ गया है; क्या उसे वापस लौटाने की कोई योजना है?" आव्हाड ने कहा कि अगर समय पर कार्रवाई नहीं हुई, तो महाराष्ट्र जल उठेगा।

पंकजा मुंडे संतोष के परिवार से मिलने क्यों नहीं गईं? - सुरेश धस का सवाल

भाजपा विधायक सुरेश धस ने पंकजा मुंडे पर निशाना साधते हुए पूछा कि वह बीड में होते हुए भी संतोष देशमुख के परिवार से मिलने क्यों नहीं गईं। उन्होंने मुंडे परिवार पर भ्रष्टाचार और जमीन हथियाने का आरोप लगाते हुए उनकी 1,400 हेक्टेयर जमीन की जांच की मांग की।

वाल्मिक कराड की गिरफ्तारी के बिना न्याय नहीं होगा - संदीप क्षीरसागर

विधायक संदीप क्षीरसागर ने वाल्मिक कराड की तुरंत गिरफ्तारी की मांग करते हुए कहा कि इस मामले की सुनवाई फास्ट-ट्रैक कोर्ट में होनी चाहिए। उन्होंने धनंजय मुंडे पर कराड को संरक्षण देने का आरोप लगाया और जांच पूरी होने तक उनके इस्तीफे की मांग की।

भले ही आरोपी कितना भी ताकतवर हो, उसे सजा मिलनी चाहिए - अभिमन्यु पवार

विधायक अभिमन्यु पवार ने कोपर्डी मामले के बड़े प्रदर्शन की तुलना करते हुए कहा कि अगर संतोष देशमुख मामले में न्याय में देरी हुई, तो पूरे राज्य में आंदोलन होंगे। उन्होंने कहा कि चाहे आरोपी कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

कैसे मनमोहन सिंह के 1991 के बजट ने बदला भारत

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को एक ऐसे अर्थशास्त्री के रूप में भी याद किया जाएगा जिन्होंने 1991 में भारत के आर्थिक सुधारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वित्त मंत्री के रूप में, उन्होंने लाइसेंस राज को समाप्त करने और भारतीय अर्थव्यवस्था को उदार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन सुधारों ने भारत में आर्थिक विकास की एक नई लहर शुरू की।

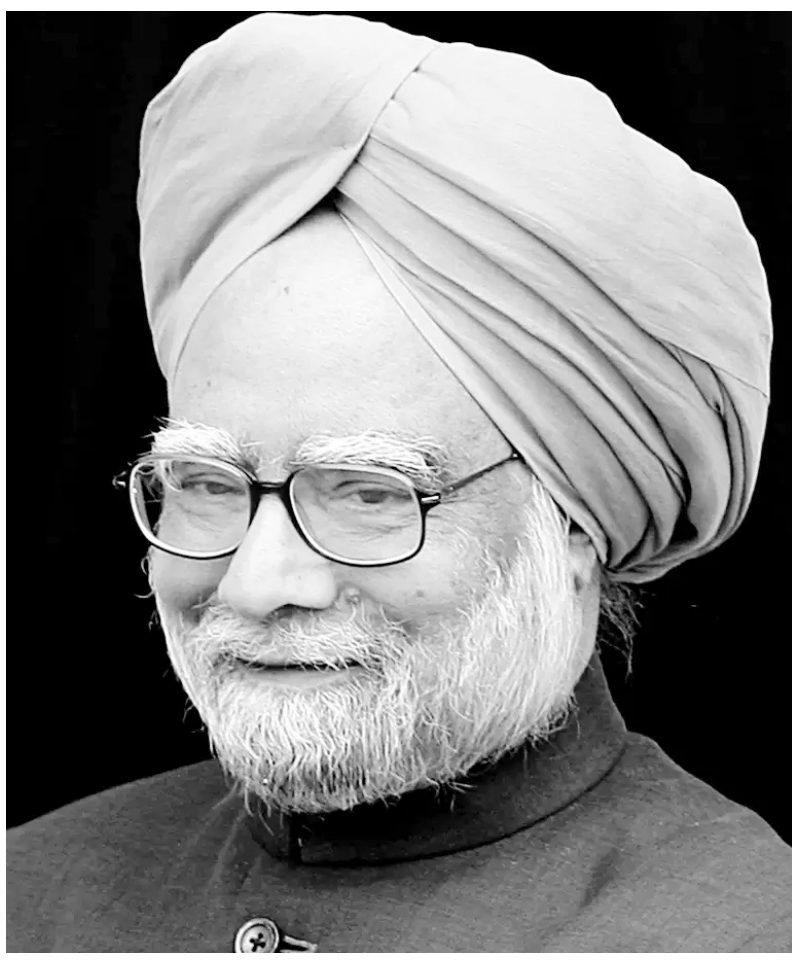

1991 का बजट ने बदला भारत

मनमोहन सिंह द्वारा 1991 में पेश किया गया बजट भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ था। 1991 में, भारत एक गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा था। विदेशी मुद्रा भंडार लगभग खाली हो चुका था, मुद्रास्फीति चरम पर थी और भुगतान संतुलन की स्थिति बेहद खराब थी। इस संकट के जवाब में, मनमोहन सिंह ने वित्त मंत्री के रूप में एक ऐसा बजट पेश किया जिसने भारतीय अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से बदल दिया।

यह बजट भारत में उदारीकरण और आर्थिक सुधारों की शुरुआत का प्रतीक था। इसने लाइसेंस राज को खत्म किया, निजी क्षेत्र के लिए रास्ते खोले और विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए कदम उठाए। बजट में व्यापार नीतियों को उदार बनाया गया, आयात शुल्क कम किए गए और निर्यात को बढ़ावा देने के उपाय किए गए। इससे भारतीय बाजार विदेशी प्रतिस्पर्धा के लिए खुल गया।

सिंह के उस बजट बजट में वित्तीय घाटे को कम करने और सरकारी खर्च को नियंत्रित करने पर जोर दिया गया। 1991 के बजट ने भारतीय अर्थव्यवस्था को एक नई दिशा दी। इसने देश को उच्च विकास दर, बढ़ती समृद्धि और गरीबी में कमी की ओर अग्रसर किया। उस समय, आर्थिक सुधारों को लागू करना राजनीतिक रूप से जोखिम भरा था, लेकिन मनमोहन सिंह ने साहस दिखाया और देश को संकट से बाहर निकाला। बेशक, मनमोहन सिंह का 1991 का बजट भारत के आर्थिक इतिहास में एक निर्णायक क्षण था। इसने न केवल तत्कालीन आर्थिक संकट को हल किया, बल्कि देश को आर्थिक विकास के एक नए रास्ते पर भी ले गया। इस बजट ने भारत को एक वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में एक मजबूत नींव रखी।

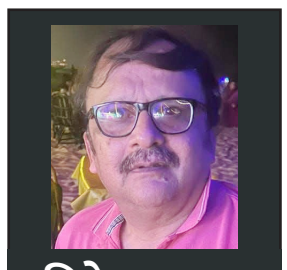

विवेक शुक्ला

मनरेगा से लेकर आरटीआई

प्रधानमंत्री के रूप में 2004 से 2014 तक, उन्होंने देश को वैश्विक आर्थिक संकट से सफलतापूर्वक निकाला। उनके कार्यकाल में भारत ने महत्वपूर्ण आर्थिक और सामाजिक प्रगति की। उनके कार्यकाल को कई महत्वपूर्ण घटनाओं और नीतियों के लिए याद किया जाएगा। उनके कार्यकाल में भारत ने उच्च आर्थिक विकास दर हासिल की। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में तेजी से वृद्धि हुई और देश दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया। उन्हीं के प्रधानमंत्री रहते हुए मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन जैसी सामाजिक कल्याण योजनाओं की शुरुआत की गई, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हुआ। इसके साथ ही, सूचना का अधिकार अधिनियम (RTI) 2005 में पारित किया गया, जिसने नागरिकों को सरकारी कामकाज के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अधिकार दिया।

भारत ने अमेरिका और अन्य देशों के साथ अपने संबंधों को मजबूत किया। भारत-अमेरिका परमाणु समझौता एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी।

उन्हें कुछ मुद्दों पर आलोचना का भी सामना करना पड़ा, जैसे कि कुछ घोटालों और नीतिगत मामलों को लेकर। हालांकि, उनकी ईमानदारी और देश के प्रति समर्पण पर कभी सवाल नहीं उठाया गया।कई लोगों ने आरोप लगाया कि उनकी सरकार नीतिगत फैसलों को लागू करने में धीमी थी और इसमें पंगुता का शिकार थी। आर्थिक विकास के बावजूद, कुछ लोगों का मानना है कि विकास का लाभ समाज के सभी वर्गों तक समान रूप से नहीं पहुंचा।

डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल को लेकर अलग-अलग लोगों की अलग-अलग राय हो सकती है। कुछ लोग उनके कार्यकाल को भारत के विकास के लिए महत्वपूर्ण मानते हैं, जबकि कुछ लोग भ्रष्टाचार और महंगाई जैसे मुद्दों पर उनकी आलोचना करते हैं। कुल मिलाकर, मनमोहन सिंह को भारत में एक सम्मानित और प्रतिष्ठित राजनेता के रूप में याद किया जाएगा। उन्हें एक ऐसे व्यक्ति के रूप में याद किया जाएगा जिन्होंने देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।उनकी विरासत पर अलग-अलग राय हो सकती है, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि उन्होंने भारतीय राजनीति और अर्थव्यवस्था पर गहरी छाप छोड़ी है। समाप्त।

नोट, विवेक शुक्ला दिल्ली, अंग्रेजी और हिन्दी के देश में जाने माने पत्रकार हैं, साथ हि तामीर परिवार के शुभ चिंतक भी, तामीर के लिए उन का विषेश लेख शुक्रिए के साथ पाठकों के सेवा मे सादर है संपादक।

भाजपा विधायक सुरेश धस को सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए: प्राजक्ता माळी

जमीर काज़ी

मुंबई : मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की निर्मम हत्या को लेकर फैले गुस्से के बीच, भाजपा विधायक सुरेश धस द्वारा मंत्री धनंजय मुंडे पर कटाक्ष करते हुए मराठी अभिनेत्री प्राजक्ता माळी का परोक्ष रूप से उल्लेख करना विवाद का कारण बन गया है। प्राजक्ता माळी ने धस की टिप्पणी पर कड़ा ऐतराज जताते हुए सार्वजनिक माफी की मांग की है।

प्राजक्ता माळी ने राज्य महिला आयोग में शिकायत दर्ज कराई है और शनिवार को मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान घोषणा की कि वह इस मामले को लेकर रविवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिलेंगी।

शुक्रवार को बीड में पत्रकारों से बातचीत के दौरान, विधायक सुरेश धस ने मुंडे की आलोचना करते हुए "परळी पैटर्न" का जिक्र किया था, जिसमें उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्राजक्ता माळी और अन्य मराठी अभिनेत्रियों की भागीदारी का उल्लेख किया। इस टिप्पणी से प्राजक्ता नाराज हो गईं और उन्होंने महिला आयोग का रुख करते हुए मुंबई मराठी पत्रकार संघ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर

धस की टिप्पणी की कड़ी निंदा की।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्राजक्ता ने कहा:

"जिस फोटो की बात हो रही है, वह एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान सम्मान समारोह का है और यही हमारी एकमात्र मुलाकात है। 'धन्यवाद' हमारी बातचीत का एकमात्र शब्द था। पिछले डेढ़ महीने से मैं ट्रोलिंग और नकारात्मक टिप्पणियों का शांति से सामना कर रही हूं। लेकिन मेरी यह शांति सहमति का प्रतीक नहीं है; यह एक कलाकार की विवशता को दर्शाती है।" उन्होंने आगे कहा, "जिनसे हम अपने अधिकारों और सम्मान की रक्षा की अपेक्षा रखते हैं, जब वही लोग कीचड़ उछालते हैं, तो यह एक गंभीर मामला बन जाता है। यही कारण है कि मैंने आज सार्वजनिक रूप से सामने आकर बात करने का निर्णय लिया। मैं मुख्यमंत्री फडणवीस से इस मामले में शिकायत करूंगी और यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी कार्रवाई की मांग करूंगी कि भविष्य में महिलाओं या कलाकारों के बारे में ऐसी आपत्तिजनक टिप्पणियां न की जाएं।" प्राजक्ता ने यह भी स्पष्ट किया कि करुणा शर्मा को पहले ही एक बयान के लिए नोटिस जारी किया गया था और उसके बाद उन्होंने इस विषय पर कोई टिप्पणी नहीं की।

प्राजक्ता माळी से माफी नहीं मांगूंगा: सुरेश धस

विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा विधायक सुरेश धस ने कहा कि उन्होंने प्राजक्ता माळी के बारे में कोई आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं की है, इसलिए माफी मांगने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा, "जो कुछ मैंने कहा है, वह देखने और सुनने के लिए उपलब्ध है। अगर वे मेरे बयान का विरोध कर रही हैं, तो मैं उनके कॉमेडी शो 'हास्यजत्रा' का विरोध करूंगा। मैं अब वह शो नहीं देखूंगा।"

आका के पास इतना पैसा कहां से आया?

बीजेपी विधायक सुरेश धस ने धनंजय मुंडे पर आरोप लगाए, उनकी गतिविधियों को 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' शैली बताया।

मुंबई (अज़ीज़ एजाज़) :
आष्टी से बीजेपी विधायक सुरेश धस ने राज्य मंत्री धनंजय मुंडे पर लगातार निशाना साधा है। आज उन्होंने बीड़ के पुलिस अधीक्षक से मुलाकात की। मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने धनंजय मुंडे का नाम लिए बिना उन पर कई सनसनीखेज आरोप लगाए।

धस ने कहा, "'आका' के पास 100 से 150 एकड़ जमीन है। उन्होंने अपनी जमीन पर ₹30-40 करोड़ के बांध बनाए हैं। पांच साल में 'आका' के पास इतना पैसा कहां से आया?" उन्होंने फिल्म स्टार्स रश्मिका मंदाना और सपना चौधरी के परली आने का जिक्र करते हुए इशारों में कहा कि वे वहां आयोजित कार्यक्रमों में शामिल हो रही हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, "जो लोग इवेंट मैनेजमेंट की राजनीति सीखना चाहते हैं, वे परली आएं। मराठी अभिनेत्री प्राजक्ता माली

भी यहां आती हैं। अगर हमें उनके करीबी रिश्तों का पता लगाना है, तो हमें अपने परली के संरक्षकों की ओर देखना चाहिए।"

धस ने आरोप लगाया कि धनंजय मुंडे, जिन्हें उन्होंने 'बॉस' कहा, ने बीड़ में लगभग 1,400 एकड़ चरागाह भूमि पर कब्जा कर लिया है। शिरसाला गांव में उन्होंने कहा कि चरागाह भूमि पर 600 ईंट भट्टे हैं, जिनमें से 300 अवैध हैं। उन्होंने दावा किया कि ये भट्टे 'आका' के मजदूरों के हैं। इसके अलावा, उन्होंने आरोप लगाया कि मजदूरों ने 50-60 एकड़ जमीन से मिट्टी निकालकर दूसरी जगह डाल दी। "आका ने इस क्षेत्र में 50 एकड़ जमीन हासिल कर सुरंगों के माध्यम से इसे पूरी तरह से बंद कर दिया है। गरीब लोग अपनी जमीन से मोरम हटाने के लिए मना करते हैं, लेकिन 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' यह काम जबरदस्ती करती है," उन्होंने कहा।

बीड़ में एक व्यक्ति के नाम पर ₹9 अरब का लेन-देन

पत्रकारों से बात करते हुए धस ने बीड़ के एक व्यक्ति का जिक्र किया, जो महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले में शामिल है। उन्होंने इस मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि इसमें दो पुलिस अधिकारी भी शामिल थे। "इस व्यक्ति के नाम पर ₹9 अरब का लेन-देन हुआ है। ईडी ₹100 करोड़ से अधिक की वित्तीय गड़बड़ी की जांच करती है, लेकिन ₹9 अरब के लेन-देन की जांच के लिए आप कौन सी मशीनरी का इस्तेमाल करेंगे?" उन्होंने सवाल किया।

धस ने आगे आरोप लगाया कि इस घोटाले से जुड़े मामले में बीड़ के अच्छे पुलिस अधिकारियों को हटा दिया गया और केवल निष्क्रिय और आज्ञाकारी अधिकारियों को तैनात किया गया। इन अधिकारियों ने आरोपियों को जमानत दिलाने में मदद की और उनका समर्थन किया। धस ने दावा किया कि इस घोटाले की कड़ियां मलेशिया तक जुड़ी हुई हैं।

देशमुख हत्याकांड की जांच पूरी होने तक कोई भी मुंडे कैबिनेट में नहीं होना चाहिए: राऊत

जमीर काज़ी

मुंबई:ठाकरे गुट के नेता और सांसद संजय राऊत ने शुक्रवार को मांग की कि बीड जिले के मस्साजोग के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या की जांच पूरी होने तक मुंडे परिवार का कोई भी सदस्य राज्य मंत्रिमंडल में शामिल न किया जाए। राऊत ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को चुनौती देते हुए कहा कि वह उपमुख्यमंत्री अजीत पवार का इस्तीफा लेने का साहस दिखाएं, जो कथित रूप से धनंजय मुंडे को संरक्षण दे रहे हैं। राऊत ने बंदूक लाइसेंस, जबरन वसूली और राजनीतिक अपराधों के मुद्दे पर महायुति सरकार की तीखी आलोचना की और इन मामलों को देशमुख की हत्या से जोड़ा। उन्होंने प्रेस से बात करते हुए कहा कि इस हत्या के पीछे राजनीतिक गॉडफादर का हाथ साफ दिख रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री फडणवीस से आग्रह किया कि धनंजय मुंडे और पंकजा मुंडे को जांच पूरी होने तक कैबिनेट में शामिल न करें, क्योंकि उनकी मौजूदगी से जांच पारदर्शी तरीके

से नहीं हो पाएगी। इसके साथ ही, राऊत ने कहा कि अजीत पवार, जो धनंजय मुंडे का समर्थन कर रहे हैं, को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए। अगर पवार इस्तीफा देने से इनकार करते हैं, तो फडणवीस को उनका इस्तीफा लेने का साहस दिखाना चाहिए। राऊत ने कहा, "मैं पूरी हिम्मत के साथ यह बात कह रहा हूं और इसके परिणाम भुगतने के लिए तैयार हूं।" उन्होंने भाजपा और आरएसएस पर बीड जिले में शहरी नक्सलवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया और कहा कि मुख्यमंत्री फडणवीस इसके मुख्य जिम्मेदार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि धनंजय मुंडे ने बीड में 118 मतदान केंद्रों पर मतदान रोकने के लिए ताकत का इस्तेमाल किया, जिसे उन्होंने "शहरी नक्सलवाद" कहा। राऊत ने कहा कि परली में भी मतदान रोक दिया गया, और यह भी शहरी नक्सलवाद का ही एक रूप है।

राऊत ने कानून-व्यवस्था की स्थिति पर भी सवाल उठाया और कहा, "कल्याण में सांसद कौन है? उस जिले में बलात्कार, हत्या और जबरन वसूली हो रही है। यहां तक कि एक पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे के निर्वाचन क्षेत्र में भी हत्या, बलात्कार और धमकी के मामले सामने आ रहे हैं। ठाणे और बीड में भी यही स्थिति है। बीड में 38 हत्याएं हो चुकी हैं। फडणवीस, जो खुद को 'लाडका भाई' कहते हैं, को कार्रवाई करनी चाहिए। क्या इन 38 हत्याओं की विधवाएं उनकी 'लाडली बहनें' नहीं हैं? अगर फडणवीस में नैतिकता है, तो उन्हें संबंधित मंत्रियों को हटाना चाहिए। हम 29 तारीख को न्याय के लिए एक मोर्चा निकालेंगे, और उद्धव ठाकरे बीड और परभणी जाएंगे। हम चुप नहीं बैठेंगे," राऊत ने चेतावनी दी।

राऊत को अपनी सुबह की बयानबाजी बंद करनी चाहिए: रुपाली चाकणकर

रुपाली चाकणकर, एनसीपी (अजीत पवार गुट) की महिला प्रदेश अध्यक्ष, ने संजय राऊत की टिप्पणी का जवाब दिया। उन्होंने कहा, "महाराष्ट्र की जनता राऊत की सुबह की बयानबाजी से तंग आ चुकी है। विधानसभा चुनाव में जनता ने उन्हें उनकी जगह दिखा दी थी। इसके बावजूद उनकी बेतुकी आरोप लगाने की आदत गई नहीं है। अब उन्हें शांत रहना चाहिए, नहीं तो स्थानीय निकाय चुनावों में उनकी पार्टी की और भी दुर्गति हो जाएगी।

मनमोहन सिंह पंचतत्व में विलीन

बेटी ने मुखाग्नि दी, राहुल शव यात्रा में साथ आए, कंधा दिया; PM, सोनिया-प्रियंका मौजूद रहीं

नई दिल्ली : निगमबोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार किया गया।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का शनिवार को निगमबोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उनके पार्थिव शरीर को सेना की तोपगाड़ी पर दिल्ली के निगमबोध घाट लाया गया। यहां तीनों सेनाओं ने उन्हें सलामी दी। इसके बाद राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार की रस्में पूरी की गईं।

मनमोहन की पत्नी गुरशरण कौर, बड़ी बेटी उपिंदर सिंह (65), दूसरी बेटी दमन सिंह (61) और तीसरी बेटी अमृत सिंह (58) निगमबोध घाट पर मौजूद थीं। परिवार ने प्रधानमंत्री मोदी से भी मुलाकात की। बेटी ने मुखाग्नि दी।

निगमबोध घाट में सोनिया, प्रियंका, राहुल और कांग्रेस के बड़े नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति मुर्मु, प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ भी उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचे। डॉ. मनमोहन सिंह की पार्थिव देह को सुबह 9:30 बजे उनके

आवास से कांग्रेस मुख्यालय लाया गया था। इसके बाद अंतिम यात्रा शुरू हुई। राहुल गांधी पार्थिव देह के साथ गाड़ी में बैठे थे।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का गुरुवार रात निधन हो गया था। वे 92 साल के थे। वे लंबे समय से बीमार थे। घर पर बेहोश होने के बाद उन्हें रात 8:06 बजे दिल्ली AIIMS लाया गया था। हॉस्पिटल बुलेटिन के मुताबिक, रात 9:51 बजे उन्होंने आखिरी सांस ली।

अंतिम सफर के दौरान भी डॉ. मनमोहन सिंह को उनकी पसंदीदा नीली पगड़ी पहनाई गई। उन्होंने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी को याद रखने के लिए उसके एक रंग को अपनी पगड़ी का सिग्नेचर कलर बना लिया था।

अंतिम सफर के दौरान भी डॉ. मनमोहन सिंह को उनकी पसंदीदा नीली पगड़ी पहनाई गई। उन्होंने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी को याद रखने के लिए उसके एक रंग को अपनी पगड़ी का सिग्नेचर कलर बना लिया था।

पहली- निधन 26 दिसंबर को: पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का 92 साल की उम्र में गुरुवार रात निधन हो गया। उन्हें रात 8:06 बजे दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) लाया गया था। उनके निधन की खबर सुनकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा जैसे नेता AIIMS पहुंचे। यहां से मनमोहन की पार्थिव देह को उनके आवास ले जाया गया।

26 दिसंबर को निधन के बाद AIIMS से मनमोहन की पार्थिव देह इस वाहन से उनके घर भेजी गई।

26 दिसंबर को निधन के बाद AIIMS से मनमोहन की पार्थिव देह इस वाहन से उनके घर भेजी गई।

दूसरी- 27 दिसंबर को पैतृक गांव में श्रद्धांजलि: मनमोहन सिंह के आवास पर उनकी पार्थिव देह के दर्शन करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहुंचे। उन्होंने मनमोहन के परिवार से भी मुलाकात की। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, AAP के संयोजक केजरीवाल ने भी मनमोहन को श्रद्धांजलि दी। पाकिस्तान के चकवाल जिले में स्थित मनमोहन के पैतृक गांव गाह में भी लोगों ने श्रद्धांजलि दी।

सूरज के सबसे करीब पहुंचा NASA का स्पेसक्रॉफ्ट : 982 डिग्री तापमान में भी सुरक्षित रहा, 1 जनवरी से डेटा भेजेगा

वॉशिंगटन : अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा के स्पेसक्राफ्ट पार्कर सोलर प्रोब ने 24 दिसंबर की शाम को सूरज के बेहद करीब पहुंचने का रिकॉर्ड बनाया है। नासा का यह यान सूरज से करीब 61 लाख किमी की दूरी से गुजरा। ये दुनिया का पहला यान है जिसने ऐसा रिकॉर्ड बनाया है।

एजेंसी ने आगे कहा कि पार्कर सोलर प्रोब यान 1 जनवरी को अपनी स्थिति और खोजों का विस्तृत डेटा भेजेगा। सूरज के पास से गुजरते समय स्पेसक्राफ्ट की स्पीड 6.9 लाख किमी/घंटा से अधिक थी। उस वक्त यह यान 982 डिगी सेल्सियस गर्मी झेल रहा था। इतनी तेज गर्मी के बावजूद यान को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

पार्कर सूरज के जिस बाहरी वातावरण से गुजरा उसे कोरोना कहते हैं। यह सूर्य और हमारे सौर मंडल पर इसके प्रभाव को समझने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

27 दिसंबर को सिग्नल भेजा

नासा से मिली जानकारी के अनुसार पार्कर सोलर प्रोब ने 27 दिसंबर को धरती पर नासा के जॉन्स हॉपकिन्स एप्लाइड फिजिक्स लेबोरेटरी टीम को

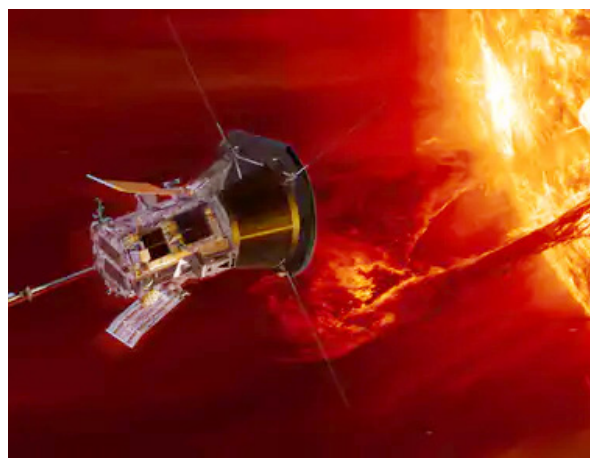

सिग्नल भेजा जिससे वैज्ञानिकों को उसके सुरक्षित होने और सही से काम करने के बारे में पता चला।

नासा के इस मिशन का मकसद पृथ्वी के सबसे करीबी तारे सूरज के बारे में ज्यादा जानकारी इकट्ठा करना है। यान के सूरज के बाहरी वातावरण में पहुंचने से वैज्ञानिकों को सूरज के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

NASA बोला- सही तरीके से काम कर रहा है पार्कर यान

टाइम्स पर इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक नासा ने जानकारी देते हुए कहा- 'सूर्य के सबसे करीब पहुंचने के बाद पार्कर सोलर प्रोब ने एक बीकन टोन भेजा है जो यह दर्शाता है कि यह अच्छी स्थिति में है और सामान्य रूप से काम कर रहा है। यह हमारे लिए अच्छी खबर है क्योंकि यान खराब स्थिति में सूर्य के चारों ओर चक्कर लगा रहा था '।

अगर पार्कर यान 27 दिसंबर तक धरती पर सिग्नल नहीं भेजता तो नासा के लिए ये बुरी खबर मानी जाती। इस मिशन से जुड़े वैज्ञानिक नूर रवाफी ने कहा कि पार्कर ने 24 दिसंबर को जो तस्वीरें ली हैं, वो अगले साल जनवरी में नासा को मिलेंगी। इसके बाद बाकी के डेटा तब मिलेंगे जब वो सूरज से और दूर चला जाएगा।

6 साल पहले लॉन्च हुआ था पार्कर

पार्कर सोलर प्रोब को नासा ने 12 अगस्त 2018 को लॉन्च किया था। इसे सूरज के बाहरी वातावरण कोराना के नजदीक से अध्ययन करने के मकसद से लॉन्च किया गया था। इसके जरिए सोलर विन्ड्स यानी सौर हवा के सिस्टम को समझने की कोशिश की जा रही है।

इसका नाम भी सोलर साइंटिस्ट यूजीन पार्कर के नाम रखा गया है। पार्कर ने ही सबसे पहले सोलर विन्ड्स के बारे में जानकारी दी थी। 2022 में यूजीन पार्कर का निधन हो गया है। पहली बार किसी वैज्ञानिक के जीवित रहते हुए उनके नाम पर अंतरिक्षयान का नाम रखा गया था।

पार्कर सोलर प्रोब ने 2021 में पहली बार सूरज के नजदीक से उड़ान भरी थी। इतिहास में पहली बार कोई यान ने सूरज के इतने नजदीक से गुजरा था। इसे कुल 24 बार सूरज के नजदीक से गुजरने के लिए बनाया गया था। सूरज की गर्मी से बचाने के लिए इसे 4.5 इंच मोटे कार्बन-कंपोजिट हीट शील्ड के साथ लैस किया गया है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com